Recommendation	Action Taken
10. It is necessary to draw up a phased programme of research for the next few years so as to ensure quick results in certain specific areas demanding immediate attention. For the next few years' action plan, therefore, the development council should address itself to the task of determining (a) which of the priority research projects are of top most priority; (b) resources not being a limiting factor, the minimum time needed for completion of such projects of topmost priority and (c) the quantum of funds needed for (b) and then finalise the outline of a minimum need-based strategy. Once such an exercise has been completed, the appropriate authorities consider the same to make available the requaired resources for implementation of the same.	The Development Council for Jute Manufactures has been asked to initiate necessary action in this regard and it is working in accordance with the suggested guidelines.

Traffic study for Bombay by the Central Road Research Institute

*502. SHRI ANNASAHEB GOTKHINDE : Will the Minister of SCIENCE AND TECHNOLOGY be pleased to state :

(a) whether the Central Road Research Institute has been entrusted with the work of traffic and transportation studies for Greater Bombay;

(b) if so, since when; and

(c) the broad findings of the said study ?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) : (a) Yes, Sir.

(b) The work has started with effect from 1st November, 1977.

(c) The study is expected to be completed over a period of 4 years. It is premature to give any indication of the broad findings at this stage.

उत्तर भारत में फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट की स्थापना

*503. **श्री दया राम शाक्य** : क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उत्तर भारत में कोई फिल्म और टेलीविजन इंस्टीट्यूट नहीं है और इसके वहां न होने के कारण आगरा, मैनपुरी, फरुखाबाद, एटा तथा इटावा के क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्तियों को उक्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो रही हैं ; और

(ख) यदि हां, तो उक्त जिलों में दूरदर्शन केन्द्र और स्टूडियो की कब तक स्थापना की जायेगी और यदि ऐसा करने का प्रस्ताव नहीं है, तो इसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी) : (क) जबकि यह सही है कि उत्तर भारत में कोई फिल्म और टेलीविजन संस्थान नहीं है, भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान, पुणे समूचे देश के छात्रों को प्रशिक्षण देता है । फिल्म पाठ्यक्रमों के लिए इस संस्थान में प्रवेश सभी राज्यों के उम्मीदवारों के लिए खुला है और राज्य-वार कोई आरक्षण नहीं है ।

(ख) धन की अत्यधिक कमी के कारण इन जिलों में दूरदर्शन केन्द्र और स्टूडियों स्थापित करने का फिलहाल कोई विचार नहीं है ।

कोसी परियोजना के अन्तर्गत कटैया पन-बिजली घर से बिजली का उत्पादन

*504. **श्री विनायक प्रसाद यादव :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या कोसी परियोजना के अन्तर्गत कटैया पन-बिजली घर स्थापित किया गया हैं ;

(ख) कटैया पन-बिजली घर पर खर्च का मूल अनुमान क्या है और वर्ष 1977 के अन्त तक उस पर कितनी राशि खर्च की जा चुकी है ;

(ग) उक्त पन-बिजली घर से विद्युत उत्पादन के क्या लक्ष्य रखे गये हैं और वर्ष 1977 तक वस्तुतः वहां कितने किलोवाट विद्युत का उत्पादन हुआ है ; और

(घ) क्या सरकार ने इस पर किये गये खर्च को देखते हुए यह पता लगाया है कि यह बिजली घर अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य क्यों नहीं कर रहा है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) जी, हां ।

(ख) बिहार राज्य बिजली बोर्ड ने सूचित किया है कि कटैया बिजली घर की मूल अनुमानित लागत 220 लाख रुपए थी और संशोधित अनुमानित लागत 616 लाख रुपए थी । वर्ष 1977 के अन्त तक, 616 लाख रुपए का व्यय बताया गया है ।

(ग) परियोजना रिपोर्ट में 7500 क्यूसेक पानी के न्यूनतम निकास के आधार पर और 20 फुट के औसत प्रचालन शीर्ष पर, 4.8–4.8 मेगावाट की 4 यूनिटों की प्रतिष्ठापना द्वारा 90 मिलियन यूनिट वार्षिक स्थिर विद्युत उत्पादन के बराबर विद्युत क्षमता की संकल्पना थी । चौथी यूनिट केवल मार्च, 1977 में चालू हुई थी किन्तु उसके बाद तुरन्त ही लम्बे समय के लिए बन्द हो गयी थी । इस बिजली घर में दिसम्बर, 1977 तक उत्पन्न हुई बिजली की कुल मात्रा लगभग 40.57 मिलियन यूनिट थी ।

(घ) बिहार राज्य बिजली बोर्ड ने सूचित किया है कि अत्यधिक गाद के निकासी के कारण तथा अधिक गाद के कारण कार्बन पैकिंग के बार बार फेल होने से बिजली घर अपनी पूरी क्षमता से उत्पादन नहीं कर रहा है । उन्होंने यह भी बताया है कि बिजली घर से कम उत्पादन के लिए जिम्मेवार कुछ अन्य कारण ये है—जल की अपेक्षित मात्रा का उपलब्ध न होना, पावर वेट प्रवेश के पास, विशेषकर मानसून के मौसम के 'पातेर' घास का इकट्ठा होना तथा विद्युत केन्द्र के अनुप्रवाह की ओर स्थित भैंगाधर एसकेप चैनल का पूरा न होना ।

Supply of Coal to Thermal Plants

*505. SHRI D. D. DESAI : Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) whether deteriorating quality of coal supplied to Thermal Power Plants is one of the rasons for the lower utilisation of capacity in these plants; and

(b) if so, what steps are being taken to improve the quality of coal ?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI P. RAMACHANDRAN) : (a) and (v). Some power stations have reported lower utilisation of generating capacity due to problems arising from the quality of coal supplied to them. The various steps taken/being taken to ensure the supply of coal of the appropriate quality to power stations are given in the Statement attached.

Statement

Steps Taken/Being Taken to Ensure the Supply of Appropriate Quality of Coal to Power Stations

1. Inspectors have been posted by the supplier at the loading points to ensure the supply of requisite quality of coal to the power stations to the extent feasible.